नव गति - नव लय
विभागीय आयोजन
सत्र् - २०१६-१७ से २०२०-२१ तक

महाविद्यालय विशिष्टता-

.हमारा महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय विद्यार्थियों के समग्र विकास की रूपरेखा पर कार्य कर रहा है। हमारा महाविद्यालय छत्तीसगढ़ राज्य के धमतरी जिले के अंतर्गत आता है। गांधी जी की द्वितीय छत्तीसगढ़ यात्रा (तत्कालीन सी पी बरार) 1933 ई.में हुआ था।उस यात्रा के मूल में धमतरी अंचल के कंडेल नहर सत्याग्रह को बल प्रदान करना था। भखारा के किसान उस आंदोलन से जुड़े थे।यह क्षेत्र राष्ट्रीय आंदोलन का सबाल्टर्न पाठ रचता है।किसानों के सक्रिय प्रतिरोध और अंग्रेजों के किसानों के आगे झुकने के कारण गांधी जी ने धमतरी को भारत का 'दूसरा बारदोली' कहा था। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। धमतरी क्षेत्र धान के उत्पादकता और बीजों की विविधता के कारण इसका प्रतिनिधि रूप का आभास देता है।यहाँ के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ कृषि कर्म में जीवंत रूप से संलग्न हैं।

.महाविद्यालय का परिवेश ग्रामीण है।जिसमें अब कस्बाई अहसास आने लगा है। भखारा क्षेत्र अपने विरासत में लैंगिक चेतना से सम्पन्न है। इसलिए इस अंचल में पारिवारिक बिंदु पर स्त्री सामंतीय बेड़ियों से मुक्त है। भखारा क्षेत्र में महाविद्यालय शुरू होने से स्कूली शिक्षा तक रुक जाने वाली बालिकाएं महाविद्यालयीन शिक्षा पूरी कर रही है।पिछले पांच वर्षों में महाविद्यालय प्रवेश और रिजल्ट बालिकाओं के सक्रिय और उत्साही प्रतिनिधित्व का साक्षी है।बालकों की तुलना में संख्याबल और परिणाम बालिकाओं के पक्ष में है।

हमारा हिंदी विभाग इन सब विशिष्टताओं से युक्त महाविद्यालय में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के मूल प्रतिज्ञा-

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।

को आदर्श मानकर कार्यरत है।

संकलन/संपादन — डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर